कालाज़ार रोग

प्रिलिम्स के लिये:

कालाज़ार रोग, लीशमैनियासिस, काला बुखार, लसीका फाइलेरिया को खत्म करने के लिये वैश्विक कार्यक्रम (GPELF), राष्ट्रीय कालाज़ार उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NVBDCP)

मेन्स के लिये:

वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण से संबंधित पहल।

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2007 और 2022 के बीच **भारत में कालाज़ार के मामलों की संख्या 98.7% घटकर 44,533 से 834** हो गई, जिसमें **बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 632 स्थानिक ब्लॉक (99.8%) ऐसे हैं जिन्हें उन्मूलन का दर्जा** प्राप्त है (प्रति 10,000 पर एक से कम मामले)।

- झारखंड के **पाकुड़ ज़िले में लिट्टीपारा एकमात्र स्थानिक ब्लॉक है** जहाँ प्रति 10,000 जनसंख्या पर 1.23 मामले पाए गए हैं।

कालाज़ार रोग:

- **परिचय:**
  - इसे **विसरल लीशमैनियासिस या ब्लैक फीवर या दमदम बुखार** के नाम से भी जाना जाता है।
    - लीशमैनियासिस के तीन प्रकार हैं:
      - **आँत का लीशमैनियासिस:** यह शरीर के कई अंगों को प्रभावित करता है और रोग का सबसे गंभीर रूप है।
      - **त्वचीय (Cutaneous) लीशमैनियासिस:** यह बीमारी त्वचा के घावों का कारण बनती है और यह बीमारी का आम रूप है।
      - **श्लेष्मत्वचीय (Mucocutaneous) लीशमैनियासिस:** यह बीमारी त्वचा एवं श्लैष्मिक घावों का कारण है।
      - यह **प्रोटोजोआ परजीवी लीशमैनिया** के कारण होने वाली घातक परजीवी बीमारी है और मुख्य रूप से **अफ्रीका, एशिया तथा लैटिन अमेरिका** में रहने वाले लोगों को प्रभावित करती है।
      - यदि समय पर उपचार नहीं किया गया तो **यह रोग मृत्यु का कारण** बन सकता है।
- **वैश्विक और राष्ट्रीय स्थिति:**
  - विश्व स्वास्थ्य संगठन **(World Health Organization- WHO)** के अनुसार, कालाज़ार दुनिया की दूसरी सबसे घातक परजीवी बीमारी है और नवंबर 2022 तक **आठ देशों- ब्राज़ील, इरिट्रिया, इथियोपिया, भारत, केन्या, सोमालिया, दक्षिण सूडान एवं सूडान** में लगभग 89% वैश्विक मामले देखने को मिले हैं।
  - वैश्विक स्तर पर रिपोर्ट किये गए **कालाज़ार के कुल मामलों में भारत का योगदान लगभग 11.5% है।**
    - भारत में कालाज़ार के 90% से अधिक मामले **बिहार और झारखंड से रिपोर्ट किये जाते हैं, जबकि उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल ने ब्लॉक स्तर पर अपने उन्मूलन लक्ष्य को हासिल कर लिया है।**
- **संचरण:**
  - यह **एक संक्रमित मादा फ्लेबोटोमाइन सैंडफ्लाई के काटने से** मनुष्यों में फैलता है।
- **संकेत और लक्षण:**
  - बुखार, वज़न घटना, रक्ताल्पता और यकृत एवं प्लीहा का बढ़ना।
- **निवारण:**
  - कालाज़ार की रोकथाम में **सैंडफ्लाई के प्रजनन स्थलों को कम करने और लोगों को सैंडफ्लाई के काटने से बचाने के उपाय शामिल हैं।**
    - **कीटनाशकों, मच्छरदानी और विकिर्षक के उपयोग के साथ-साथ आवास की साफ-सफाई, स्वच्छ पानी एवं स्वच्छता के माध्यम** से इस रोग का निवारण किया जा सकता है।
    - **WHO उन क्षेत्रों में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (MDA) की भी सिफारिश करता है जहाँ रोग स्थानिक है।**

- **उपचार:**
  - **कालाज़ार** के उपचार में **सोडियम स्टबिोग्लुकोनेट और मेग्लुमाइन एंटीमोनएिट जैसी दवाओं का उपयोग शामलि है।**
    - WHO **कालाज़ार के उपचार के लयि दो या दो से अधकि दवाओं के संयोजन की सफिारशि करता है,** क्योंकि मोनोथेरेपी में उपचार के वफिल होने और दवा प्रतरिोध का उच्च जोखमि होता है।
- **संबंधति पहल:**
  - **वैश्वकि:**
    - 2021-2030 के लयि **WHO का नया रोडमैप: 2030** का उद्देश्य उन 20 बीमारयिों की रोकथाम, नयिंत्रण, समाप्त करना है, जन्हिें उपेक्षति उष्णकटबिंधीय रोग कहा जाता है।
    - WHO ने **लम्फिेटकि फाइलेरयिासिस (GPELF)** को **खत्म करने के लयि ग्लोबल प्रोग्राम** भी स्थापति कयिा है, **जसिका उद्देश्य MDA द्वारा** लम्फिेटकि फाइलेरयिासिस, ऑन्कोसेरसयिासिस और **कालाज़ार को खत्म कयिा जाना** है।
      - **GPELF ने वर्ष 2000 में इन बीमारयिों को वर्ष 2020 तक वैश्वकि स्तर पर खत्म करने का लक्ष्य रखा था जो कि पूर्ण नहीं हो पाया था।** कोवडि-19 **की असफलताओं के बावजूद वर्ष 2030 तकइस लक्ष्य को हासलि करने के लयि WHO द्वारा कार्य में तेज़ी लाई जाएगी।**
  - **भारत की पहल:**
    - केंद्र सरकार ने वर्ष **2023 तक भारत से कालाज़ार को खत्म करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लयि** कई कदम उठाए हैं, **जसिमें पीएम-आवास योजना के माध्यम से पक्के घर बनाना, ग्रामीण वद्युितीकरण, परीक्षण, उपचार, समय-समय पर उच्च-स्तरीय समीक्षा** और **पुरस्कार वतिरण शामलि है।**
    - केंद्र **एक्टवि केस डटिेक्शन, सर्वलिांस, इलाज़ और डायग्नोस्टकि कटि, दवाओं एवंस्प्रे की आपूर्त मिें भी** राज्यों की मदद कर रहा है।
  - राष्ट्रीय कालाज़ार उन्मूलन कार्यक्रम
    - राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीत-2002 ने वर्ष 2010 तक भारत में कालाज़ार उन्मूलन का लक्ष्य नरि्धारति कयिा था जसिे संशोधति कर 2015 कर दयिा गया है।
    - दक्षणि-पूर्व एशयिा क्षेत्र (SEAR) से कालाज़ार के उन्मूलन के लयि **भारत, बांग्लादेश और नेपाल ने एक त्रपिक्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर कयि हैं।**
    - वर्तमान में कार्यक्रम संबंधी सभी गतविधियिों को **राष्ट्रीय वेक्टर जनति रोग नयिंत्रण कार्यक्रम (National Vector Borne Disease Control Programme- NVBDCP)** के माध्यम से कार्यान्वति कयिा जा रहा है, जो एक अम्ब्रेला कार्यक्रम है और **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन** के अंतर्गत आता है।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नम्निलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2017)

1. उष्णकटबिंधीय प्रदेशों में जीका वायरस रोग उसी मच्छर द्वारा संचरति होता है जसिसे डेंगू संचरति होता है।
2. जीका वायरस रोग का लैंगकि संचरण होना संभव है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- जीका वायरस एक फ्लेववियरस है जसिे पहली बार वर्ष 1947 में बंदरों में और फरि वर्ष 1952 में युगांडा में मनुष्यों में देखा गया था।
- जीका और डेंगू दोनों में बुखार, त्वचा पर चकत्ते, नेत्रशलेष्मलाशोथ/कंजक्टवािइटसि (Conjunctivitis), मांसपेशयिों एवं जोड़ों में दर्द, अस्वस्थता तथा सरिदर्द के लक्षणों में समानता है। इसके अलावा दोनों रोगों के संचरण का तरीका भी समान है, अर्थात् दोनों एडीज़ एजप्टिी और एडीज़ एल्बोपक्टिस प्रजाति के मच्छरों द्वारा फैलते हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- जीका के संचरण के तरीके:
  - मच्छर का काटना।
  - गर्भावस्था के दौरान माँ से बच्चे में संचरण, जो माइक्रोसेफली और अन्य गंभीर भ्रूण मस्तष्कि दोष पैदा कर सकता है। जीका वायरस माँ के दूध में भी पाया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**
  - रक्त आधान (Blood Transfusion) के माध्यम से।

अतः वकिल्प (C) सही उत्तर है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kala-azar-disease